विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -२५ -०४ - २०२१**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज स्त्रीलिंग के बारे में अध्ययन करेंगे ।

स्त्रीलिंग

स्त्रीलिंग की परिभाषा

जिन संज्ञा शब्दों से स्त्री जाति का पता चलता है उसे स्त्रीलिंग कहते हैं ।

जैसे- हंसिनी, लडकी, बकरी, माता, रानी, सुईं, गर्दन, बनावट, घोड़ी, बंदरिया, कुर्सी, पत्ती, नदी, शाखा, मुर्गी, गाय, बहन, यमुना, बुआ, लक्ष्मी, गंगा, लडकी, औरत, शेरनी, नारी, झोंपड़ी, लोमड़ी आदि ।

स्त्रीलिंग के अपवाद

जैसे- जनवरी, मई, जुलाई, पृथ्वी, मक्खी, ज्वार, अरहर, मूंग, चाय, काफी, लस्सी, चटनी, इ, ई, ऋ, जीभ, आँख, नाक, उँगलियाँ, सभा, कक्षा, संतान, प्रथम, तिथि, छाया, खटास, मिठास, आदि ।

स्त्रीलिंग प्रत्यय

जब पुल्लिंग शब्दों को स्त्रीलिंग बनाया जाता है तब प्रत्ययों को शब्दों में जोड़ा जाता है जिन्हें स्त्रीलिंग प्रत्यय कहते हैं ।

जैसे:

- ई = बड़ा - बड़ी, भला - भली आदि ।
- इनी = योगी - योगिनी, कमल - कमलिनी आदि ।

- इन = धोबी - धोबिन, तेल - तेली आदि ।
- नि = मोर - मोरनी, चोर - चोरनी आदि ।

स्त्रीलिंग की पहचान

जिन संज्ञा शब्दों के पीछे ख , ट , वट , हट , आनी आदि आयें वे सभी स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- कडवाहट , आहट , बनावट , शत्रुता , मूर्खता , मिठाई , छाया , प्यास , ईख , भूख , चोख , राख , कोख , लाख , देखरेख , झंझट , आहट , चिकनाहट , सजावट , इन्द्राणी , जेठानी , ठकुरानी , राजस्थानी आदि ।

अनुस्वारांत , ईकारांत , उकारांत , तकारांत , सकारांत आदि संज्ञाएँ आती है वे स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- रोटी , टोपी , नदी , चिट्ठी , उदासी , रात , बात , छत , भीत , लू , बालू , दारू , सरसों , खड़ाऊं , प्यास , वास , साँस , नानी , बेटी , मामी , भाभी आदि ।

भाषा, बोलियों तथा लिपियों के नाम स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- हिंदी , संस्कृत , देवनागरी , पहाड़ी , अंग्रेजी ,पंजाबी गुरुमुखी , फ्रांसीसी , अरबी ,फारसी, ज़र्मन ,बंगाली , रुसी आदि ।

नदियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- गंगा , यमुना , गोदावरी , सरस्वती , रावी , कावेरी , कृष्णा , व्यास , सतलुज , झेलम , ताप्ती , नर्मदा आदि।

तरीखो और तिथियों के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- पहली , दूसरी , प्रतिपदा , पूर्णिमा , पृथ्वी , अमावस्या , एकादशी , चतुर्थी , प्रथमा आदि ।

नक्षत्रो के नाम स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- अश्विनी , भरणी , रोहिणी , रेवती , मृगशिरा , चित्रा आदि ।

हमेशा स्त्रीलिंग रहने वाली संज्ञा होती हैं।

जैसे- मक्खी , कोयल , मछली , तितली , मैना आदि ।

समूहवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होते हैं।

जैसे- भीड़ , कमेटी , सेना , सभा , कक्षा आदि ।

प्राणीवाचक संज्ञा स्त्रीलिंग होती हैं।

जैसे- धाय , संतान , सौतन आदि।